S-331

Total Pages : 3 Roll No. .....

BAJY-201

जातकशास्त्र एवं फलादेश के सिद्धान्त

Bachelor of Arts (BA)

2nd Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. जातक शास्त्र का परिचय देते हुए जातक शास्त्र के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

2. पंचांग की उपयोगिता को स्पष्ट करते हुए पंचांग फलों का वर्णन कीजिए।

3. द्वादश भावों द्वारा विचारणीय विषयों को सप्रमाण स्पष्ट कीजिए।

4. द्वादश राशियां मनुष्यों को किस प्रकार प्रभावित करती हैं? स्पष्ट कीजिए।

5. अन्तर्दशा, प्रत्यंतरदशा तथा सूक्ष्मदशा आनयन विधि का साधन सोदाहरण कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. भाव कारकत्व विचार किस प्रकार फलादेश में सहायक होते हैं? स्पष्ट करें।

2. भावों का बलाबल किस प्रकार से ज्ञात किया जाता है, स्पष्ट कीजिए।

3. ग्रहों का बलाबल किस प्रकार से ज्ञात किया जाता है? स्पष्ट करें।

4. स्व कल्पित उदाहरण द्वारा ग्रहों की दृष्टि को प्रदर्शित कीजिए।

5. विविध स्थानों में स्थित पंचम-सप्तम-नवम भाव के स्वामियों के शुभाशुभ फलों को लिखिए।

6. द्वितीय-सप्तम-दशम भावों में स्थित सूर्य-चन्द्र आदि नव ग्रहों के शुभाशुभ फलों को लिखिए।

7. विंशोत्तरी दशा का शुभाशुभ फल परिज्ञान किस प्रकार किया जाता है? स्पष्ट करें।

8. मंगला आदि योगिनी दशा के शुभाशुभ फलों को वर्णन कीजिए।